## परिवेद्याचेन तहाँततिहरू परिवर नेपसूचा । ०००

## स्कराष्ट्रकातम् भरम्म त वर्गकातम् प्रास्त्रकारम् चन्द्रमारकोदे - १९१५० १९३ हि. दृश्यं-। प्रास्त्रकारम् चन्द्रमारकोदे - १९१५० १९३ हि. दृश्यं-। विकास : ३६ द्यापारको स्टोटन

## श्वकेत निर्मेश :

रामसंख्य (पूजरा परिवा १५-१ अंतर्गन महाराष्ट्र वीकार्रेडा मध्यापन स्वांस्करण क्रमान्तेल एक्यर नियुक्तोवार्थ स्वयंत्रक अंतर्गन प्रार्थिक अंतर्गनामा स्वयंत्रक सन्तुक सन्तुक सन्तुक सन्त्रक सन्ति सन्त्रक सन्ति सन्ति

CILC	नाव	विराद्धानिक ग्रह्मिनदार स्टब्स् निमुनावेचा भद्रदाने विराद्धा	माल्लाक क्या
1	श्री. नंत्रेष्ठ नातस्य हास्त्रकः	अवस्थाताङ	शृक्तिक समित् १९२०, सोएम्स वेर जवक, निश्वसात सारान्या प्रक्रीयाचे, पोस्ती, पूर्व, जि.च्यो, वित्र में ४९१७१६
1	इंटे. १० <del>१६च मालू</del> ग्रह लक्ष्य	संस्ताताः	मू प्री. मेंगालक के जानका, कि अस्तिकार प्रश में क्षेत्रकेट
-	क्रीक्क्रकोड जिलीका पासकाड	=र्शनक	0.0 औ. २ जी. श्रीतम् रच नार, अकट परंज अनम जिल्हींग जवल सम्बन्ध्याच्या जिल्हा न अस्त्रिका
Y	व जाना ततान क्रमहे	paratra	यंत्रन विवास, बेक्ट क्राफ महाताष्ट्र समार, मु.च. क्रिडोची, (इ.कि.क्षाचन, (युन ने ११८,००४
4	वी. अञ्च्या स्माजन्य निपार्ट	असराजनी	४. मिराबली बंदलो, सीदाय संसामत्. चनकददे. पुण, मिरा गं. ११ (०४)
e	कुमरी संस्थासम्बद्धाः	माम्ब्रु	"गणामान", प्रशंह एं.६. विस्तानयन कोलली, रोहली गर्फ नच्छ, कन्तरा एंड, अनगणती, विस र. ४४४६०४
i.	वी. निगर अभूता वृहतीत		र्.को प्रक्रमण (परनीका), ता.जि. अहमरमतर, रेजन म १९४१राज
	र्घीः प्रभीप कितना क्रियो		00 राज्य कामर कामर अपन प्रकार काम आहा महाराष्ट्रका काम कामालाम ) कि तत्त्व जिस्सा १९९३०६
	वी बाब्य जिल्लाकुमार अलाह	भारकुर	२०४मी लाइ, इन्हरे लेन. बना सनकहा, सकनी कार, करवापुर वि. स्ट्रेन्सपुर, हिन. ने. ४१६०४२

Çi-	जी अंतर शिक्तों पड़ोर	All rooms	्विक्ती बार्गाकः) प्रामेन्स बागा ताश्रास्थ्योका भागवसम्बद्धाः कमाने ४६६४६३
11	भी. असेन परत लेखे	नांप्रक	मुनाधिको नाकामका क्रांकपुर यस ने ४१३५२१
83	कुं, असंग सप्तत्र छनगर्भन	क्रिया	क्षेत्री चारसञ्ज्ञ वीक्ष्यकारकोणीय वासीपाँच. वि.सहस्त्रका जितने क्षाप्तर
El	क्षेत्रकाद इतल वरील	सम्स्वती	प्राप्त व जनस्य, m विश्वपृत्तिस्थ्ये निय में कर्पकरा
()F	जी विश्वक संनोधा माद्रील	-इंग्लिक	वृज्ञोक्त्यकः (चेह)ः ता भक्तीप्रयुज्ञ केश्यक्यम्बः विभागे अप्रेथेश्य
RN.	কুঠিশা সামাধ্যক্ষ বহনক	सन्दर्भ	८७ महोताम क्राक्ट,सालुणे निवस सर्व्यक लोक्ट लेकामध्यको नक २ १, सानुव क्रिक्टम् क्रिम स्था २००६
17%	क्ष्में मास्य ज्लामा कुमाराता	कोसग	संस्थान, 'चनक' चार म्हनकरम स्थान इसम् ता कृत्व 'च अभीयन संस्थित
2,10	वी. श्रीपनीन प्रदारत स्टबर	164.61	यु.च्यं, मनकादम्, स्योरं क्षोनेन्यकाः, वाजातुषकी वि:कोश्यास् देश्य सं-अरुप्यम्

वीडक्क्कश्चेन क्रांस्क्वम स्व प्रमान निक्क्षी कामान अनुमान क्षांन का नामान क्षेत्र कामान विकास क्षांन का विकास का व

 वंशीका अस्त्रतार के रांच प्रकर्णना प्रतिकालीय व्यक्तियार परमून वर्णना विकास अस्त्राच्या निरुद्धारण स्थापना

(क) विकित्यतीय कामानांता काम कामुल श्रीसार-वानी विचारीय प्रोमा उत्तीर कार्य अपने विदेश हैं जाएन क्यांत, बहुमुल क बार निकार, कर्रीसार्य-१८ २००१ देखा, प्रदेशी-१, विमान २०११, २०११ असी विदेश करेता प्रांत्रका महिल्ला प्रांत्रका प्रा

्रा) । प्रिम्भिय सम्बद्धानंस (चम्पालमाने समेशिक अस्य व रहते) प्रवत वर्गामा स्वाहत मुख्यील कर्णणे। चन्द्री सामेल

इ. सूर्वाका क्रियानेक कार्यकार्य स्थापन निर्माणन निर्माणन क्रियान क्रियान

् प्रेचीहर उदेवपहाँ में त्यांस च्या विकासन विद्युकों रेज्यात आसनी उद्योः न्या विकास का विकास का स्थापना विकास अस्ति क्षा आसना विकास अस्ति विकास का वितास का विकास का

य प्राप्त न्यूनीवार्थ ह्या हात्रा वाह्म ने ग्राप्त कर न्यू (क्रियान व्ययन्त्र हेर्नेने) खहना प्रमाणकर या प्राप्त न व्याच्या क्ष्यांक्य अस्ति कार्यात वर १८३४ न च्या प्राप्तान स्थान व नाम (यात्र प्रमाण वर्ष्टीन अस्त्राम (क्ष्यांक्य ४४ व्याचान व्ययम् वर्ष्टानी क्ष्यांक्य क्ष्यांक्य व्यव (यात्र प्रमाण इतिस्तान नो व्यन्ने नेपूर्ण व्यवकारम्भ स्वाप्तिकश्य नामक क्ष्यां क्ष्यांक्य व्यवकार्या

्र महिमान क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रक क्षेत्रकार महिन्द्रक महिन्द्र महिन्द्र क्षेत्रक क्ष

अधिका क्षांत्रकास प्रधानका अन्य तक्त क्षिण त्रमाण स्वरूप व्यवस्था त्रमाण प्रथम अधिका अधिका क्षांत्रका अधिका क्षांत्रका अधिका क्षांत्रका क्षांत्रका अधिका क्षांत्रका क्षांत्र

সাম্ভান কৰি অনু প্ৰাক্ষণক কা ভাইমান্তৰ সাম্ভান চেপ্ৰত কৰিব কৰিব বা কৰিব কা আৰু কো বাংনাকে মূৰ্ব ক্ষমাৰ্থ সাক্ষ্যৰ প্ৰাৰ্থ ক্ষমত কে বাংলাৰ বিশে সাম্ভানৰ ক্ষম ভাব ব্যক্তৰ ক্ষমত

्या स्पृष्ट करम्या २० व जारिकाम्बर स्थाप तानास्था अधिकानाम कर्म स्थाप कर्म स्थाप कर्म भिन्द सहस्रातको कर्म स्थाप

तान ज्ञान ज्ञान व्यक्तिक क्षित्रक क्षित्रक प्रकारक स्थान क्ष्मिक क्

व्यक्तिस्त्रम् वर्धनाता परमा अधिकारम् व १००५

्रिनियेत् कृतकार्ति। श्रीनियेत् कृतकार्ति। भागिका अधिकारी, काराक् साध्य

ma.

- या गर्न निकारिक आयुक्त
- 🕏 राज्यन गालाम्ह स्वेत्रसंख्य आर्थेत, श्रृंश्व (१००३)
- ३। यह निकासिक्त
- r) महानावासका । इन्द्र समृत
- विश्वास्त्र विश्वास्त्रात्र सक्तात्र हत्। इत् क्षा क्षा क्षा वर्षाक्ष्य है तथ (क्षाह)
  विश्वास्त्र वर्षाक्ष्यस्य स्वाप्त क्षा वर्षा
- s | defen sagers ( de la stere).
- मानान वेनेकल विवास केन्द्र विधास (अध्ययकार) । स्था-६), स्थानन
- 1-1/4-1 में वर्ग-दर्गन क्यांत्रमें, स्टब्स्न श्र क्यांक्रमार, पंतासक, सुंबद
- १) कार्कतर (१९९), महसूर्त व का वेपना, शंकरम्य, वृद्धे, (निवह सम्बद्धे)